Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री खाटू श्याम जी वंदना ॥

विनय, सेवा और समर्पण की प्रार्थना

मौलिक हिंदी वंदना

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री खाटू श्याम जी वंदना ॥

मौलिक हिंदी वंदना

हे खाटू के श्याम दयाला,
चरणों में वंदन मेरा।
मन के पावन मंदिर में हो,
सदा तुम्हारा ही बसेरा॥

शीश के दानी, त्याग तुम्हारा,
सच्ची राह दिखाता है।
देना सीखूँ, बाँटना सीखूँ,
मन में प्रेम जगाता है॥

मोरछड़ी की छवि निहारूँ,
हाथ जोड़कर ध्यान धरूँ।
हर जन में जब रूप तुम्हारा,
देखूँ, सबका मान करूँ॥

मेरी वाणी मधुर बने प्रभु,
कटुता उसमें आ न सके।
कोई मुझसे मिले तो उसके,
मन को पीड़ा हो न सके॥

॥ जय श्री श्याम ॥

॥ श्री खाटू श्याम जी वंदना ॥

मौलिक हिंदी वंदना

यदि अभिमान हृदय में जागे,
विनय मुझे सिखला देना।
औरों के सुख में सुख पाऊँ,
ऐसा भाव जगा देना॥

संकट में धीरज न खोऊँ,
सच का साथ निभाऊँ मैं।
तेरा नाम हृदय में रखकर,
सेवा-पथ अपनाऊँ मैं॥

जो भी थोड़ा पास हमारे,
मिलकर सबके काम आए।
मेरे घर की हर खुशहाली,
औरों की मुस्कान बढ़ाए॥

श्रद्धा का यह दीप जलाकर,
तेरे चरणों में आऊँ मैं।
प्रेम, करुणा, सेवा के पथ पर,
जीवन अपना बिताऊँ मैं॥

॥ श्री खाटू श्याम जी वंदना सम्पूर्ण ॥